No. of Printed Pages : 6

BPY-005

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
PHILOSOPHY (B. D. P.)
Term-End Examination
December, 2020

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY PART—II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to Question No. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Examine the sources of valid knowledge according to the Nyaya school of Indian thought. 20

Or

Give a detailed account of the eight fold path of Yoga System.

2. Explain briefly the metaphysics and epistemology of Vishishtadvaita. 20

Or

Examine the importance and contributions of Bhakti movement in India.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Briefly explain the fundamental rights assured in the Indian Constitution. 10

   (b) Discuss the important aspects of the philosophy of Nehru. 10

   (c) Discuss the importance of Abhava or non-existence in the metaphysics of Vaiśeshika. 10

   (d) Explain the six Pramanas recognised by Kumarila Bhatta school of Purva Mimaṁsa. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Give a brief account of the concept of Purusha in the Samkhya Philosophy. 5

   (b) Discuss the means to liberation according to Vishishtadvaita. 5

   (c) Explain briefly the epistemology of Advaita. 5

   (d) State the different phases of Sufism. 5

   (e) Examine the importance of ethics in the philosophy of Dr. S. Radhakrishnan. 5

   (f) Describe the fundamental characteristics of an Ashram. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Hindu Ashrams 4

(b) ISKCON movement 4

(c) Concept of God in Gandhian thought 4

(d) Social philosophy of Ambedkar 4

(e) Maya in Advaita 4

(f) Importance of Bhakti in Vishishtadvaita 4

(g) Khyativada 4

(h) Modifications of Ćitta 4

BPY-005

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

बी.पी.वाई.-005 : भारतीय दर्शन भाग—II

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या* ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

1. भारतीय दर्शन के न्याय सम्प्रदाय के अनुसार ज्ञान के वैध साधनों का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

योग दर्शन के अष्टांग मार्ग का विस्तृत विवरण दीजिए।

2. विशिष्टाद्वैत की तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

भारत में भक्ति आन्दोलन के महत्व एवं योगदानों का परीक्षण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(क) भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

(ख) नेहरू के दर्शन के विभिन्न महत्त्वपूर्ण पक्षों पर चर्चा कीजिए। 10

(ग) वैशेषिक तत्वमीमांसा में अभाव के महत्व पर चर्चा कीजिए। 10

(घ) पूर्व-मीमांसा के कुमारिल भट्ट सम्प्रदाय में स्वीकृत छः प्रमाणों की व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(क) सांख्य दर्शन में प्रस्तुत पुरुष के प्रत्यय का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

(ख) विशिष्टाद्वैत में प्रस्तुत मुक्ति के साधनों पर चर्चा कीजिए। 5

(ग) अद्वैत की ज्ञानमीमांसा की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

(घ) सूफीवाद के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए। 5

(ङ) डॉ. एस. राधाकृष्णन् के दर्शन में नीतिशास्त्र के महत्व का परीक्षण कीजिए। 5

(च) किसी **एक** आश्रम के आधारभूत लक्षणों का वर्णन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग (प्रत्येक) 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) हिन्दू आश्रम 4

(ख) इस्कॉन आन्दोलन 4

(ग) गाँधी चिन्तन में ईश्वर विचार 4

(घ) अम्बेडकर का समाज दर्शन 4

(ङ) अद्वैत में माया 4

(च) विशिष्टाद्वैत में भक्ति का महत्व 4

(छ) ख्यातिवाद 4

(ज) चित्त की वृत्तियाँ 4